

दिनांक ४-१-२०१४

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी को  
आवाजे दिलाने गई। बार-बार आवाजे  
के बावजूद वकील वादी अनुपस्थित।  
पत्रावली के अनुरोध अनुसार आवाजे  
दिलाने के बावजूद वादी रकब की  
अनुपस्थित। बार-बार आवाजे के  
बावजूद वादी रकब के समझने  
असमर्थता उपस्थित नहीं हुई है।  
लिहाजा वाद वादी अदम हाजरी।  
अदम पत्रकी में रकारिज किया।  
जाता है जिसल जिसल नुमार हीकर  
बंदर से कहो।

४२०